

UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR

Department of Dramatics

MULTI DISCIPLINARY COURSE(MDC)

Paper: Theatre Appreciation

Course Overview: This course provides an introduction to the fundamentals of theatre, its history, various forms, and the cultural significance of performance arts. Students will explore key elements of theatre, engage with different genres, and attend live performances to foster a deeper appreciation for the craft.

Course Objectives:

- To understand the historical evolution of theatre and its cultural contexts.
 - To analyze various theatrical forms and genres.
 - To develop critical thinking skills through the evaluation of performances.
 - To foster an appreciation for the collaborative nature of theatre.
-

Unit 1: Introduction to Theatre

What is Theatre?

- Definitions and elements of theatre
- Overview of the course and expectations

History of Theatre

- Ancient origins: Greek and Roman theatre
- Development through the Middle Ages and Renaissance

Modern Theatre Movements

- Exploration of major movements: realism, expressionism, absurdism
- Key playwrights and their contributions

Theatre as a Reflection of Society

- Discussion on the role of theatre in cultural and social contexts

- Assignment: Research a significant historical play
-

Unit 2: Elements of Theatre

The Playwright's Craft

- Understanding script structure and elements
- Analysis of selected plays

Acting Techniques

- Introduction to acting methods: Stanislavski, Meisner, etc.
- Workshop: Basic acting exercises

Guest Speaker

- Industry professional discussing their role in theatre (e.g., director, actor, designer)
-

Unit 3: Theatre Genres and Styles

Comedy and Tragedy

- Exploration of the characteristics of each genre
- Analysis of significant comedic and tragic works

Musical Theatre

- The evolution and elements of musical theatre
- Discussion on iconic musicals and their cultural impact

Contemporary Theatre

- Overview of modern playwrights and experimental works
 - Exploration of diverse voices and themes
-

Unit 4: Attending Live Theatre

Preparing for a Theatre Experience

- Understanding etiquette and expectations
- Discussing the importance of live performance

Attendance at a Local Performance

- Experience a live theatre event (field trip)
- Reflective assignment: Write a review of the performance

Analyzing a Live Performance

- Discussion on elements observed during the performance
 - Group analysis and sharing of perspectives
-

Required Reading and Materials:

- Selected plays from various genres
- Articles on theatre history and criticism
- Access to recorded performances or documentaries

Oedipus - Sophocles

Macbeth - Shakespeare

The Doll's House - Henrik Ibsen

Bhagavad-Jukiyam - Bodhayana

Abhijnana Shakuntala – Kalidasa

1. Jain Nemichand; Rang Parampara, Vani Prakashan, New Delhi, 1996
2. Brockett O G; History of Theatre
3. Cheney Sheldon; Three Thousand Years of Drama, Longmans, Essex
4. देवन्द्र राज अंकुर, रंगमंच की कहानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022
5. विश्वनाथ मिश्र, नाटक का रंग विधान, कुसुम प्रकाशन, मेरठ, 1961

पेपर का नाम : रंगमंच अभिमूल्यन

पाठ्यक्रम अवलोकन: यह पाठ्यक्रम रंगमंच के मूल सिद्धांतों, इसके इतिहास, विभिन्न रूपों और प्रदर्शन कलाओं के सांस्कृतिक महत्व का परिचय प्रदान करता है। छात्र रंगमंच के प्रमुख तत्वों का पता लगाएंगे, विभिन्न शैलियों से जुड़ेंगे और कला के प्रति गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए लाइव प्रदर्शनों में भाग लेंगे।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- रंगमंच के ऐतिहासिक विकास और इसके सांस्कृतिक संदर्भों को समझना।
- विभिन्न नाट्य रूपों और शैलियों का विश्लेषण करना।
- प्रदर्शनों के मूल्यांकन के माध्यम से आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करना।
- रंगमंच की सहयोगात्मक प्रकृति के प्रति प्रशंसा को बढ़ावा देना।

इकाई 1: रंगमंच का परिचय

रंगमंच क्या है? • रंगमंच की परिभाषाएँ और तत्व

- पाठ्यक्रम का अवलोकन और अपेक्षाएँ

रंगमंच का इतिहास

- रंगमंच की उत्पत्ति: संस्कृत, ग्रीक और रोमन रंगमंच
- मध्य युग और पुनर्जागरण के माध्यम से विकास

आधुनिक रंगमंच आंदोलन

- प्रमुख आंदोलनों की खोज: यथार्थवाद, अभिव्यक्तिवाद, असंगत रंगमंच

- प्रमुख नाटककार और उनके योगदान

समाज के प्रतिबिंब के रूप में रंगमंच

- सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों में रंगमंच की भूमिका पर चर्चा
- असाइनमेंट: एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक नाटक पर शोध करें

इकाई 2: रंगमंच के तत्व

नाटककार का शिल्प

- नाट्य आलेख की संरचना और तत्व
- चयनित नाटकों का विश्लेषण

अभिनय तकनीक

- अभिनय विधियों का परिचय: स्टैनिस्लावस्की, मीस्नर, आदि
- कार्यशाला: बुनियादी अभिनय अभ्यास

अतिथि वक्ता

- पेशेवर रंगकर्मी द्वारा रंगकर्म में अपनी भूमिका पर चर्चा (जैसे, निर्देशक, अभिनेता, डिजाइनर)

इकाई 3: रंगमंच विधाएँ और शैलियाँ

हास्य और त्रासदी

- प्रत्येक शैली की विशेषताओं की खोज
- महत्वपूर्ण हास्य और दुःखद कार्यों का विश्लेषण

संगीत थिएटर

- संगीत रंगमंच का विकास और तत्व
 - प्रतिष्ठित संगीत-नाटक प्रस्तुतियाँ और उनके सांस्कृतिक प्रभाव पर चर्चा
- समकालीन रंगमंच
- आधुनिक नाटककारों और प्रयोगात्मक कार्यों का अवलोकन
 - विविध मुद्दों और विषयों की खोज

इकाई 4: जीवंत थिएटर में भाग लेना

थिएटर अनुभव के लिए तैयारी करना

- शिष्टाचार और अपेक्षाओं को समझना
- जीवंत प्रदर्शन के महत्व पर चर्चा करना

स्थानीय प्रदर्शन में उपस्थिति

- लाइव थिएटर इवेंट (फील्ड ट्रिप) का अनुभव करना
- विचारशील असाइनमेंट: प्रदर्शन की समीक्षा लिखें

जीवंत प्रदर्शन का विश्लेषण करना

- प्रदर्शन के दौरान देखे गए तत्वों पर चर्चा
- समूह विश्लेषण और दृष्टिकोणों को साझा करना

आवश्यक पठन एवं सामग्री:

- विभिन्न विधाओं से चयनित नाटक
- रंगमंच के इतिहास और आलोचना पर लेख
- रिकॉर्ड किए गए प्रदर्शनों या वृत्तचित्रों तक पहुंच

नाट्य पठन

- इडिपस - सोफोकलीस
- मैकबेथ - शेक्सपियर
- गुड़िया घर - हेनरिक इबसेन
- भगवदज्जुकीयम - बोधायन
- अभिज्ञानशाकुंतलम् - कालिदास

1. Jain Nemichand; Rang Parampara, Vani Prakashan, New Delhi, 1996
2. Brockett O G; History of Theatre
3. Cheney Sheldon; Three Thousand Years of Drama, Longmans, Essex
4. देवन्द्र राज अंकुर, रंगमंच की कहानी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022
5. विश्वनाथ मिश्र, नाटक का रंग विधान, कुसुम प्रकाशन, मेरठ, 1961